

भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3952

12 अगस्त, 2026 को उत्तर के लिए निर्धारित

इनोवेशन इन साइंस परस्यूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च (इंस्पायर) कार्यक्रम

†3952. श्री कृपानाथ मल्लाह:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) विगत पांच वर्षों के दौरान इनोवेशन इन साइंस परस्यूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च (इंस्पायर) कार्यक्रम के अंतर्गत कितनी प्रगति हुई है और इसके अंतर्गत सहायता प्राप्त छात्रों और युवा अनुसंधानकर्ताओं की घटक-वार संख्या कितनी है;
- (ख) क्या सरकार का मेधावी छात्रों को विज्ञान में उच्च शिक्षा और अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करने हेतु इंस्पायर कार्यक्रम को मजबूत करने का प्रस्ताव है;
- (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है; और
- (घ) विशेषकर ग्रामीण, दूरदराज और आकांक्षी जिलों में इस कार्यक्रम के तहत पहुंच और भागीदारी में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

**विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)**

(क) से (ग): विगत पाँच वर्षों के दौरान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अभिप्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान की दिशा में नवाचार (इंस्पायर) कार्यक्रम ने अपने चार प्रमुख घटकों के माध्यम से शैक्षणिक एवं अनुसंधान क्षेत्र की विभिन्न अवस्थाओं में वैज्ञानिक प्रतिभाओं को व्यवस्थित रूप से प्रोत्साहित और विकसित किया है। इंस्पायर मानक— (लाखों प्रतिभाओं द्वारा राष्ट्रीय आकांक्षाओं एवं ज्ञान का संवर्धन) 10-17 वर्ष (कक्षा VI-XII) की आयुवर्ग के छात्रों में अपने मौलिक विचारों और नवाचारों को विकसित करने तथा प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए नवाचार और वैज्ञानिक रचनात्मकता को बढ़ावा देता है। उच्च शिक्षा हेतु इंस्पायर छात्रवृत्ति (शी) 17 से 22 वर्ष की आयु के मेधावी छात्रों को प्राकृतिक एवं मूलभूत विज्ञान विषयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसके अंतर्गत प्रतिवर्ष 12,000 छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं, जिनमें प्रत्येक छात्रवृत्ति की राशि 80,000 रु प्रतिवर्ष हैं। इंस्पायर फेलोशिप उत्कृष्ट स्नातकों एवं इंस्पायर छात्रवृत्ति प्राप्त छात्रों को पूर्णकालिक पीएच.डी. कार्यक्रम के माध्यम से अनुसंधान कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करती है इसके अंतर्गत अधिकतम पाँच वर्षों तक वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता (जेआरएफ) के रूप में ₹37,000 प्रति माह, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता (एसआरएफ) के रूप में ₹42,000 प्रति माह की फेलोशिप, नियमानुसार मकान किराया भत्ता (एचआरए) तथा ₹20,000 प्रति वर्ष का प्रासंगिकता अनुदान शामिल है। इंस्पायर संकाय अध्येतावृत्ति (उत्कृष्ट पोस्ट-डॉक्टरल शोधकर्ताओं को, सामान्यतः 27 से 32 वर्ष की आयु वर्ग में (आरक्षित श्रेणियों के लिए लागू आयु-सीमा में छूट के साथ) पाँच वर्ष की अवधि के लिए अध्येतावृत्ति

के माध्यम से सहायता प्रदान करती है। फेलो को ₹1,25,000 प्रति माह की अध्येतावृत्ति, ₹2,000 की वार्षिक वृद्धि तथा अध्येतावृत्ति अवधि के दौरान ₹35 लाख का अनुसंधान अनुदान प्रदान किया जाता है।

सरकार विज्ञान के क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा एवं अनुसंधान करने के लिए मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने हेतु अभिप्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान की दिशा में नवाचार (इंस्पायर) कार्यक्रम के संवर्धन के लिए निरंतर प्रतिबद्ध रही है। विगत पाँच वर्षों के दौरान इंस्पायर कार्यक्रम के विभिन्न घटकों के अंतर्गत संचालित गतिविधियों, जिनमें प्रत्येक घटक के अंतर्गत सहायता प्राप्त छात्रों एवं युवा शोधकर्ताओं की संख्या भी शामिल है, का विवरण नीचे दिया गया है:

कार्यक्रम/वित्तीय वर्ष	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25	2025-26
इंस्पायर-मानक	52720	43381	46926	50009	49805
इंस्पायर-शी	18039	19771	18236	20354	24276
इंस्पायर अध्येतावृत्ति	2768	2872	2811	2448	3364
इंस्पायर संकाय अध्येतावृत्ति	474	338	299	225	477

देश में युवा पीढ़ी द्वारा किए जा रहे नवोन्मेषी अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, इन घटकों के प्रभाव की निगरानी एवं विश्लेषण किया जा रहा है, ताकि इनके संबंध में प्रभावी एवं रणनीतिक योजना तैयार करने में सुविधा हो।

(घ) सरकार ने देशभर में इंस्पायर कार्यक्रम की पहुँच और समावेशिता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने के लिए लक्षित उपायों की एक श्रृंखला शुरू की है, जिसमें देश के ग्रामीण, सुदूरवर्ती तथा आकांक्षी जिलों पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन प्रयासों में राज्य शिक्षा विभागों, जिला शिक्षा अधिकारियों, विद्यालयों तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कार्यक्रम संबंधी सूचना का व्यापक एवं गहन प्रसार; नामांकन की गुणवत्ता एवं पहुँच में सुधार के लिए जागरूकता अभियानों, अभिमुखीकरण कार्यक्रमों, वेबिनारों एवं शिक्षकों तथा विद्यालय प्राधिकारियों हेतु क्षमता-वर्धन कार्यशालाओं का आयोजन; तथा विद्यालयी छात्रों के बीच नवोन्मेषी विचारों की पहचान, प्रोत्साहन एवं संवर्धन के लिए जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शनियों एवं परियोजना प्रतियोगिताओं (डीएलईपीसी, एसएलईपीसी और एनएलईपीसी) का आयोजन शामिल है। नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए, आईआईटी, एनआईटी, आईआईएसईआर तथा अन्य प्रमुख वैज्ञानिक संगठनों जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनके माध्यम से चयनित छात्रों को प्रोटोटाइप विकास, नवाचार तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। इन सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप, इंस्पायर कार्यक्रमों में देश के विभिन्न क्षेत्रों तथा समाज के विभिन्न वर्गों से छात्रों की अधिक व्यापक और समावेशी भागीदारी सुनिश्चित हुई है।

ग्रामीण एवं सुदूरवर्ती जिलों से आने वाले छात्रों की बढ़ती संख्या ने नवाचार अनुदान, मार्गदर्शन सहायता तथा राष्ट्रीय मंचों पर अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसरों का लाभ उठाया है। सामूहिक रूप से, इन पहलों ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं जिज्ञासापूर्ण अनुसंधान की संस्कृति को सुदृढ़ किया है, जमीनी स्तर पर नवाचार को प्रोत्साहित किया है, विज्ञान शिक्षा, छात्रवृत्तियों एवं अनुसंधान अध्येतावृत्तियों तक समान एवं व्यापक पहुँच सुनिश्चित की है तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों से उभर रही युवा वैज्ञानिक प्रतिभाओं के आगे बढ़ने के अवसरों का विस्तार करते हुए, वैज्ञानिक प्रतिभाओं की एक सुदृढ़ और व्यापक श्रृंखला विकसित करने में योगदान दिया है।
